CBSE Class 9 Social Science Important Questions Geography Chapter 2 भारत का भौतिक स्वरूप

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
भारत के प्रमुख भू-आकृतिक विभाग या भौतिक स्वरूप कौनसे हैं?
उत्तर:

- हिमालय पर्वत श्रृंखला
- उत्तरी मैदान
- प्रायद्वीपीय पठार
- भारतीय मरुस्थल
- तटीय मैदान
- द्वीप-समूह

प्रश्न 2.
पामीर संधि द्वारा जुड़ी दो पर्वत श्रृंखलाओं के नाम बताइए।
उत्तर:
हिंदुकुश एवं कुनलुन पर्वत श्रृंखलाएँ।

प्रश्न 3.
दून किसे कहते हैं?
उत्तर:
निम्न हिमालय एवं शिवालिक के बीच स्थित लम्बी घाटियों को दून कहते हैं।

प्रश्न 4.
किन्हीं दो प्रसिद्ध दून के नाम लिखिए।
उत्तर:

- देहरादून
- पाटलीदून।

प्रश्न 5.
किस नदी द्वारा हिमालय की सबसे पूर्वी सीमा का निर्माण होता है?
उत्तर:
ब्रह्मपुत्र नदी।

प्रश्न 6.
प्रमुख उत्तर-पूर्वी या पूर्वांचल पहाड़ियों के नाम बताइए।
उत्तर:
पटकाई पहाड़ी, नागा पहाड़ी, मणिपुर पहाड़ी तथा मिजो पहाड़ी।

प्रश्न 7.
उस नदी तन्त्र का नाम बताइए जिसने उत्तरी मैदानों का निर्माण किया।
उत्तर:
उत्तरी विशाल मैदानों का निर्माण सिन्धु, गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदियों तथा उनकी सहायक नदियों द्वारा हुआ।

प्रश्न 8.
उत्तरी विशाल मैदानों का निर्माण कैसे हुआ?
उत्तर:
हिमालय के गिरिपाद में स्थित विशाल बेसिन में लाखों वर्ष तक नदियों द्वारा लाई गई, जलोढ़ मिट्टी के भरते जाने से उत्तरी विशाल मैदानों का निर्माण हुआ।

प्रश्न 9.
वितरणिकाएँ किसे कहते हैं ?
उत्तर:
सिल्ट के जमाव के कारण नदियाँ अपने निचले बहाव में कई धाराओं में विभाजित हो जाती हैं। इन्हीं धाराओं को वितरणिकाएँ कहते हैं।

प्रश्न 10.
दोआब किसे कहते हैं?
उत्तर:
दो नदियों के बीच के भाग को दोआब कहते हैं।

प्रश्न 11.
दुनिया का सबसे बड़ा बसा हुआ नदी-द्वीप कौनसा है?
उत्तर:
ब्रह्मपत्र नदी में स्थित माजोली द्वीप दनिया का सबसे बडा बसा हआ नदी द्वीप है।

प्रश्न 12.
भू-आकृति में विविधता के आधार पर उत्तरी मैदान को कितने भागों में बाँटा जा सकता है?
उत्तर:
चार भागों में-

- भाबर,
- तराई,
- बांगर तथा
- खादर।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 13.
'तराई' किसे कहते हैं?
उत्तर:
उत्तरी मैदान में भाबर क्षेत्र के दक्षिण में छोटी धाराएँ एवं नदियाँ फिर से निकलती हैं तथा एक नम एवं दलदली क्षेत्र का निर्माण करती हैं, जिसे 'तराई' कहते हैं।

प्रश्न 14.
'बांगर' क्या है?
उत्तर:
पुराने जलोढ़ द्वारा निर्मित यह उत्तरी मैदान का सबसे बड़ा हिस्सा है। यह नदियों के बाढ़ मैदानों के ऊपर स्थित है।

प्रश्न 15.
'खादर' किसे कहते हैं?
उत्तर:
बाढ़ के मैदानों के नए एवं युवा जलोढ़ निक्षेपों को 'खादर' कहते हैं।

प्रश्न 16.
प्रायद्वीपीय पठार के दो विस्तृत विभाजन कौनसे हैं?
उत्तर:

- मध्य उच्च भूमि एवं
- दक्कन का पठार।

प्रश्न 17.
विंध्य श्रृंखला की सीमाएँ बताइए।
उत्तर:
विंध्य श्रृंखला दक्षिण में मध्य उच्च भूमि तथा उत्तर-पश्चिम में अरावली से घिरी हुई है।

प्रश्न 18.
मध्य उच्च भूमि की प्रमुख नदियों के नाम बताइए।
उत्तर:
चंबल, सिंध, बेतवा तथा केन आदि इस क्षेत्र की प्रमुख नदियाँ हैं।

प्रश्न 19.
मध्य उच्च भूमि के पूर्वी विस्तार स्थानीय रूप से क्या कहलाते हैं?
उत्तर:
बुंदेलखण्ड एवं बघेलखण्ड।

प्रश्न 20.
कौनसा पठार दामोदर नदी द्वारा सिंचित होता है?
उत्तर:
छोटा नागपुर पठार।

प्रश्न 21.
दक्कन पठार के उत्तर-पूर्वी विस्तार के नाम बताइए।
उत्तर:
मेघालय, कार्बी एंगलौंग पठार एवं उत्तरी कचार पहाड़ी।

प्रश्न 22.
पूर्वी घाट का विस्तार बताइए।
उत्तर:
पूर्वी घाट महानदी घाटी से लेकर दक्षिण में नीलगिरी तक विस्तृत है। इनके द्वारा दक्कन पठार के पूर्वी किनारों का निर्माण किया जाता है।

प्रश्न 23.
शेवराय एवं जावेडी की पहाड़ियाँ कहाँ स्थित हैं?
उत्तर:
ये पहाड़ियाँ पूर्वी घाट के दक्षिण-पश्चिम में स्थित हैं।

प्रश्न 24.
भारतीय मुख्य भू-भाग का दक्षिणी शीर्ष बिन्दु कौनसा है?
उत्तर:
इन्दिरा बिन्दु।

प्रश्न 25.
दक्कन ट्रैप क्या है?
उत्तर:
प्रायद्वीपीय पठार की काली मृदा वाले क्षेत्र को दक्कन ट्रैप कहा जाता है। यह आग्नेय चट्टानों से बना हुआ है।

प्रश्न 26.
अरावली पहाड़ियाँ कहाँ स्थित हैं?
उत्तर:
अरावली पहाड़ियाँ प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी किनारों पर स्थित हैं।

प्रश्न 27.
भारतीय मरुस्थल की एक मात्र बड़ी नदी का नाम बताइए।
उत्तर:
लूनी।

प्रश्न 28.
'बरखान' क्या है?
उत्तर:
यह बालू का अर्द्ध-चंद्राकार टीला होता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 1.
भारत की भूमि की भौतिक विभिन्नताओं को समझाइए।
उत्तर:
भारत की भूमि में अनेक भौतिक विभिन्नताएँ पाई जाती हैं। इनका वर्णन निम्न प्रकार है-

- उत्तर में असममित उच्चावच पाया जाता है। यहाँ अवसादी शैलों से निर्मित हिमालय पर्वत श्रृंखला स्थित है जिसमें ऊँचे शिखर, गहरी घाटियाँ तथा तेज बहने वाली नदियाँ स्थित हैं।
- उत्तरी मैदान जलोढ़ निक्षेपों से बने हैं तथा ये भी नवीन स्थलाकृतियाँ हैं। इसमें भी भाबर, तराई, बांगर तथा खादर के रूप में उच्चावच की भिन्नता देखने को मिलती है।
- दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार है जो आग्नेय तथा रूपान्तरित शैलों से निर्मित है जहाँ कम ऊँची पहाड़ियाँ तथा चौड़ी घाटियाँ हैं।
- पूर्वी तथा पश्चिमी किनारों पर तटीय मैदान पाये जाते हैं।

प्रश्न 2.
पश्चिम से पूर्व तक स्थित क्षेत्रों के आधार पर हिमालय का वर्गीकरण कीजिए।
उत्तर:
पश्चिम से पूर्व तक स्थित क्षेत्रों के आधार पर हिमालय का विभाजन निम्न प्रकार है-

- पंजाब हिमालय-यह भाग सिन्धु एवं सतलज नदियों के मध्य जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में फैला हुआ है।
- कुमाऊँ हिमालय-यह सतलुज एवं काली नदियों के बीच स्थित हिमालय का भाग है।
- नेपाल हिमालय-काली एवं तिस्ता नदियों के बीच स्थित हिमालय का भाग है।
- असम हिमालय-हिमालय का वह हिस्सा जो तिस्ता एवं दिहांग नदियों के बीच स्थित है।

प्रश्न 3.
भारत के पूर्वी हिस्सों की पर्वत श्रेणियों पर एक टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
ब्रह्मपुत्र नदी के पूर्व में स्थित श्रेणियों को पूर्वी हिमालय के नाम से जाना जाता है। इसका वर्णन अग्र है-

- दिहांग श्रृंखला के आगे हिमालय तेजी से दक्षिण की ओर मुड़कर पूर्वी सीमा के साथ फैल जाता है। इसे पूर्वांचल कहा जाता है।
- पूर्वांचल में पटकाई, नागा पहाड़ियाँ, मिजो पहाड़ियाँ तथा मणिपुर पहाड़ियाँ शामिल हैं।
- भारत-बांग्लादेश सीमा के अनुदिश मेघालय में क्रमशः पश्चिम की ओर वे जयंतिया, खासी तथा गारो पहाड़ियों के रूप में सामने आती हैं।

प्रश्न 4.
शिवालिक पर्वत श्रेणी की प्रमख विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।
उत्तर:
हिमालय की बाहरी श्रृंखला को शिवालिक कहा जाता है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ ये हैं-

- इस पर्वत श्रेणी की चौड़ाई 10 से 50 किमी. एवं ऊँचाई 900 से 1100 मीटर के मध्य है।

- यह पर्वत श्रेणी जलोढ़ अवसादों से निर्मित है।
- शिवालिक और हिमाचल के बीच दून घाटी स्थित है। देहरादून ऐसी घाटी में स्थित है।

प्रश्न 5.
उत्तर के मैदान भारत के सर्वाधिक सघन आबादी वाले क्यों हैं?
उत्तर:
इसके निम्न कारण हैं-

- हिमालयी तथा प्रायद्वीपीय नदियों ने अपनी जलोढ़ों द्वारा इस विशाल मैदान का निर्माण किया है।
- उपजाऊ काँप मिट्टी, पर्याप्त जलापूर्ति तथा अनुकूल जलवायविक परिस्थितियों ने इसे कृषि की दृष्टि से देश का सर्वाधिक उत्पादक क्षेत्र बना दिया है।
- यहाँ रेल एवं सड़क परिवहन का अच्छा एवं विकसित नेटवर्क है। इसके कारण व्यक्ति एवं वस्तु के परिवहन में आसानी होती है।

प्रश्न 6.
दक्कन के पठार की लाक्षणिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
उत्तर:
दक्कन के पठार की लाक्षणिक विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं-

- दक्कन का पठार नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित एक त्रिभुजाकार भू-भाग है। उत्तर में इसके आधार हिस्से का निर्माण सतपुड़ा श्रेणी द्वारा किया जाता है। कैमूर, मैकाल तथा महादेव श्रेणियाँ इसके पूर्वी विस्तार का निर्माण करती हैं।
- पश्चिम में इसकी ऊँचाई अधिक है जो पूर्व में धीरे-धीरे कम होती जाती है।
- इस पठार का एक भाग उत्तर-पूर्व में भी है जिसे स्थानीय रूप से मेघालय, कार्बी एंगलौंग पठार तथा उत्तर ही के नाम से जाना जाता है। इसकी तीन महत्त्वपूर्ण श्रृंखलाएँ गारो, खासी तथा जयंतिया हैं।

प्रश्न 7.
पश्चिमी घाट का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
उत्तर:
पश्चिमी घाट का संक्षिप्त वर्णन निम्न प्रकार है-

- पश्चिमी घाट दक्षिण के पठार के पश्चिमी सिरे पर पश्चिमी तट के समानान्तर स्थित हैं।
- इनकी ऊँचाई 900 से 1600 मीटर है।
- पश्चिमी घाट में पर्वतीय वर्षा होती है।
- पश्चिमी घाट की ऊँचाई उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ती जाती है।
- अनाईमुडी (2695 मी.) तथा डोडा बेटा (2633 मी.) इस घाट के ऊँचे शिखर हैं।

प्रश्न 8.
पूर्वी घाट की तीन प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर:

- पूर्वी घाट द्वारा दक्कन के पठार के पूर्वी किनारों का निर्माण किया जाता है। इसकी ऊँचाई पश्चिमी घाट की अपेक्षा कम है। इसकी औसत ऊँचाई 600 मी. है।

https://www.evidyarthi.in/

- यह महानदी घाटी से दक्षिण में नीलगिरी तक फैला हुआ है। यह बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों द्वारा खण्डित, अनियमित तथा असतत् है।
- महेन्द्रगिरी (1500 मी.) पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी है। पूर्वी घाट के दक्षिण-पश्चिम में शेवराय एवं जावेडी की पहाड़ियाँ स्थित हैं।

प्रश्न 9.
अरावली पहाड़ियों की कोई तीन विशेषताएँ बताइए।
उत्तर:

- अरावली की पहाड़ियाँ प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी एवं उत्तरी-पश्चिमी किनारों पर स्थित हैं।
- ये अत्यधिक अपरदित हैं तथा टूटी-फूटी पहाड़ियों के रूप में पाई जाती हैं।
- ये दक्षिण-पश्चिम से लेकर उत्तर-पूर्व दिशाओं में गजरात से दिल्ली तक फैली हई हैं।

प्रश्न 10.
भारतीय मरुस्थल को किस नाम से जाना जाता है? इसकी कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर:
भारतीय मरुस्थल को 'थार के मरुस्थल' के नाम से जाना जाता है। इसकी विशेषताएँ ये हैं-

- भारतीय मरुस्थल अरावली पहाड़ियों की पश्चिमी सीमाओं पर स्थित है। यह एक अनियमित बाल का मैदान है जो बालू के टीलों से ढका पड़ा है।
- यह क्षेत्र 150 मि.मी. प्रतिवर्ष से भी कम वर्षा प्राप्त करता है। इस क्षेत्र की एकमात्र बड़ी नदी लूनी है।
- इस क्षेत्र की जलवायु शुष्क है तथा यहाँ वनस्पति बहुत कम पायी जाती है। केवल वर्षा के दिनों में ही यहाँ जलधाराएँ दिखती हैं।

प्रश्न 11.
प्रवाल पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
प्रवाल एक प्रकार के जीव होते हैं जो कम समय तक जीवित रहने वाले होते हैं तथा बहुत सूक्ष्म होते हैं। ये समूह में रहते हैं। ये छिछले तथा उष्ण जल में विकसित होते हैं। प्रवाल कैल्शियम कार्बोनेट का स्त्राव निकालते हैं। इनसे निकला हुआ स्त्राव तथा इनकी अस्थियाँ टीले के रूप में निक्षेपित होती हैं। ये निक्षेप मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं- (1) प्रवाल रोधिका, (2) तटीय प्रवाल भित्ति तथा (3) प्रवाल वलय द्वीप। आस्ट्रेलिया का 'ग्रेट बैरियर रीफ' एक प्रसिद्ध प्रवाल रोधिका है। प्रवाल वलय द्वीप गोलाकार या हार्स शू आकार वाले रोधिका होते हैं।

प्रश्न 12.
भारत के भू-आकृतिक विभाग एक-दूसरे के पूरक हैं। यह सिद्ध करने वाले तीन तथ्य लिखो।
उत्तर:
भारत के भू-आकृतिक विभाग एक-दूसरे के पूरक हैं, यह निम्न तथ्यों से सिद्ध होता है-

- उत्तरी पर्वत जल एवं वनों के प्रमुख स्रोत हैं जबकि उत्तरी मैदान देश को पर्याप्त अन्न उपलब्ध कराते हैं।
- पठारी भाग में पर्याप्त खनिज पाये जाते हैं जिससे औद्योगीकरण को बल मिला है।
- तटीय क्षेत्र मत्स्यन तथा पोत सम्बन्धी क्रिया-कलापों के लिए उपयुक्त हैं।

प्रश्न 13.
भारतीय मरुस्थल पर टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
अरावली पहाड़ी के पश्चिम में थार का मरुस्थल है। यह बालू के टिब्बों से ढंका एक तरंगित मैदान है। यहाँ पर वर्षा 150 मि.मी. से भी कम होती है। अतः यहाँ वनस्पति बहुत कम पायी जाती है। वर्षा नदी में यहाँ पर कुछ सरिताएँ दिखती हैं परन्तु वे बालू में ही विलीन हो जाती हैं। लूनी इस क्षेत्र की सबसे लम्बी नदी है। यह क्षेत्र अधिकांशतः अर्धचन्द्राकार बालू के टीलों से ढका हुआ है।

प्रश्न 14.
लक्षद्वीप समूह पर टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
यह अरब सागर में केरल के मालाबार तट के पास स्थित है। यह छोटे प्रवाल द्वीपों से बना हुआ है। पहले लक्षद्वीप को लकादीव, मीनीकाय तथा एमीनदीव के नाम से जाना जाता था। यह द्वीप-समूह 32 वर्ग किमी. के छोटे क्षेत्र में फैला हुआ है। कावारत्ती द्वीप लक्षद्वीप का प्रशासनिक मुख्यालय है। लक्षद्वीप समूह पर विभिन्न प्रकार के जन्तु एवं पादप पाए जाते हैं।

प्रश्न 15.
अण्डमान एवं निकोबार द्वीप-समूह पर टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
यह द्वीप-समूह बंगाल की खाड़ी में आकार में बड़ी संख्या में बहुल एवं बिखरे हुए हैं। यह द्वीप मुख्यतः दो भागों में बाँटा गया है-उत्तर में अण्डमान तथा दक्षिण में निकोबार । यह माना जाता है कि यह द्वीप-समूह निमज्जित पर्वत श्रेणियों के शिखर हैं। इस द्वीप-समूह पर पाए जाने वाले जन्तुओं एवं पादपों में काफी विविधता पायी जाती है। इस द्वीप की जलवायु विषुवतीय है तथा यह घने जंगलों से आच्छादित है।

https://www.evidyarthi.in/